2 व 3 मई को सांकेतिक हड़ताल पर कागज गत्ता इकाइयां

मीडिया को जानकारी देते इआइसीएमए के अध्यक्ष मिलन कुमार दे व साथ में अन्य पदाधिकारीगण। जागरण

जागरण संवाददाता, कोलकाता : संकट के दौर से गुजर रहे कोरुगेटेड (कागज का गत्ता) उद्योग ने अब सांकेतिक हड़ताल पर जाने की घोषणा की है। ईस्टर्न इंडिया कोरुगेटेड बाक्स मैन्युफ्रैक्चर्रस एसोसिएशन (इआइसीएमए) के आह्वान पर दो व तीन मई, 2014 को कोरुगेटेड से जुड़ी इकाईयां सांकेतिक हड़ताल पर रहेंगी। कोलकाता के इंटरनेशनल क्लब में शुक्रवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में इसकी जानकारी इआइसीएमए के अध्यक्ष मिलन कुमार दे ने दी। उन्होंने कहा कि गत तीन से चार महीनों में पेपर मिलों ने क्राफ्ट पेपर की कीमत में 2 हजार रुपये से तीन हजार रुपये प्रति टन की वृद्धि की है। यह कोरुगेटेड उद्योग का प्रमुख कच्चा पदार्थ है।

इसके अलावा पिछले पांच सालों में श्रमिक खर्च में दुगनी वृद्धि हुई है। परिवहन खर्च, बिजली की कीमतों में भी वृद्धि जारी है। ऐसे में कोरुगेटेड व्यापारियों को कोरुगेटेड की कीमत में बढ़ोत्तरी के लिए बाध्य होना पड़ रहा है। हालांकि इसके लिए क्रेता तैयार नहीं हो रहे हैं। इस कारण एसोसिएशन को मजबूरन सांकेतिक हड़ताल का सहारा लेना पड़ रहा है। इआइसीएमए के पूर्व अध्यक्ष हेमंत सरावगी ने कहा कि एसोसिएशन की ओर से क्रेताओं को हमारी समस्याओं को उनके समक्ष रखने के लिए ही ऐसा ठोस कदम उठाना पड़ रहा है।

- उपभोक्ताओं से कोरुगेटेड बाक्स की कीमत 20 फीसद बढ़ाने की मांग
- बिजली, परिवहन, श्रमिक खर्च समेत कच्चे माल की कीमत में वृद्धि से प्रभावित हो रहा उद्योग

हमारी मांग है कि कोरुगेटेड बाक्स की कीमत में 20 फीसद की वृद्धि की जाए। फेडरेशन आफ कोरुगेटेड बाक्स मैन्युफ्रैक्चरर आफ इंडिया (एफसीबीएम) के पूर्व अध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल ने कहा कि कोरुगेटेड बाक्स का कोई विकल्प नहीं है। एफएमसीजी से लेकर प्रायः सभी उद्योग में इसकी आवश्यकता पड़ती है। इआइसीएमए के पूर्व अध्यक्ष विपल्व कुमार दत्त ने कहा कि यदि सांकेतिक हड़ताल के बाद भी मांग पर सुनवाई नहीं होगी तो संगठन ठोस निर्णय लेगा।